# रेल वैरली

## विश्व क्षय रोग दिवस

प्रति वर्ष 24 मार्च को विश्व क्षय रोग दिवस मनाया जाता है। यह दिवस वैश्विक स्तर पर क्षय या तपेदिक रोग के प्रति लोगों में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए मनाया जाता है। तपेदिक, एक संक्रामक रोग है जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करता है। इस वर्ष 2024 विश्व क्षय रोग (टीबी) दिवस का थीम है - 'यस; वी कैन एंड टीबी' (Yes! We can end TB)। इस विषय का तात्पर्य निरंतर प्रयासों और जागरूकता अभियानों के साथ दुनिया की सबसे घातक बीमारी को खत्म करना है।

24 मार्च, 1882 को तपेदिक के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण तारीख माना जाता है। क्योंकि इसी दिन डॉ रॉबर्ट कोच ने टीबी बैक्टीरिया की खोज की थी। रॉबर्ट कोच की खोज के ठीक सौ वर्ष बाद इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट ट्यूबरकुलोसिस एंड लंग डिजीज (आईयूएटीएलडी) ने 24 मार्च को विश्व टीबी दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा था। इस अभूतपूर्व घोषणा से बीमारी की बेहतर समझ, निदान और अंततः उपचार संभव हुआ। इस तरह से पहला विश्व टीबी दिवस आधिकारिक तौर पर 1983 में मनाया गया। तब से यह 24 मार्च को एक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में मनाया जाता है।

**विश्व क्षय रोग (टीबी) दिवस का महत्व:**

यह दिवस तपेदिक के उपचार रणनीतियों, रोकथाम के तरीकों और जागरूकता पर अनुसंधान और निवेश जारी रखने के लिए एक कार्यक्रम है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, अनुमान है कि वैश्विक आबादी का लगभग एक चौथाई हिस्सा टीबी बैक्टीरिया से संक्रमित हो गया है। टीबी से संक्रमित लगभग 5-10% लोगों में अंततः लक्षण दिखाई देंगे और उनमें टीबी रोग विकसित हो जाएगा। टीबी रोग का इलाज आमतौर पर एंटीबायोटिक दवाओं से किया जाता है। इलाज के बिना इस संक्रमिक रोग से बचना मुश्किल है।

**क्षय रोग (टीबी) के बारे में:**

क्षय रोग 'माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस' नामक जीवाणु के कारण होता है। यह लगभग 200 सदस्यों वाले 'माइक्रोबैक्टीरियासी परिवार' से संबंधित है। कुछ माइक्रोबैक्टीरिया मनुष्यों में टीबी और कुष्ठ रोग का कारण बनते हैं। यह काफी व्यापक स्तर पर जानवरों को संक्रमित करते हैं। टीबी, मनुष्यों में सबसे अधिक फेफड़ों (पल्मोनरी टीबी) को प्रभावित करता है, लेकिन यह अन्य अंगों (एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टीबी) को भी प्रभावित कर सकता है। यह हवा के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। जब 'पल्मोनरी टीबी' से पीड़ित कोई व्यक्ति खाँसता, छींकता या थूकता है, तो वह टीबी के कीटाणुओं को हवा में फैला देता है। जिससे अन्य कई लोग प्रभावित होते हैं। वर्तमान स्थिति में टीबी को पूर्ण रूप से ठीक किया जा सकता है।

'पल्मोनरी टीबी' के सामान्य लक्षणों में बलगम के साथ खाँसी और कई बार खून आना, सीने में दर्द, कमज़ोरी, वज़न कम होना और बुखार और रात को पसीना आना आदि हैं।

यह एक संक्रामक रोग है जो आमतौर पर माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस (एमटीबी) बैक्टीरिया के कारण होता है। इसका जीवाणु प्रभावित लोगों से अन्य लोगों में नहीं फैले इसके लिए अच्छी स्वच्छता अपनाना चाहिए, अन्य लोगों के संपर्क से बचना चाहिए, मास्क पहनना चाहिए और खांसते या छींकते समय अपना मुंह और नाक ढंकना चाहिए।

हमारी जागरूकता और रोग संबंधी पूर्ण जानकारी होने पर तथा सही समय पर सही इलाज मिलने पर क्षय रोग को इस दुनिया से पूर्ण रूप से मिटाया जा सकता है।

# राजभाषा अनुभाग की गतिविधियाँ

## अखिल रेल हिन्दी नाट्योत्सव 2023

उत्तर पश्चिम रेलवे के क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर में दि 12.03.2024 से दि 15.03.2024 तक आयोजित अखिल रेल हिन्दी नाट्योत्सव में पालक्काड मंडल के नाटक दल ने दक्षिण रेलवे का प्रतिनिधित्व किया।

इस प्रतियोगिता में भाग लिए दक्षिण रेलवे पालक्काड मंडल के नाटक दल को 'बेस्ट एक्टर' नाटक के लिए प्रेरणा पुरस्कार के रूप में ट्रॉफी एवं ₹2000 नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस प्रतियोगिता में भाग लिए विभिन्न क्षेत्रीय रेलवे एवं उत्पादन इकाइयों की 20 दलों में से मंचित 'बेस्ट एक्टर' नाटक में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए श्री सुभाष कुमार एम बी, तकनीशियन -I/ बिजली/ संकर्म / षोर्णूर को ₹ 1000 नकद पुरस्कार और स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया।

**महंगे उपहार से ज्यादा महत्वपूर्ण है,**
**जिन्हें उपहार दे रहे हैं उनका सम्मान हो।**

**मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक:** मंडल रेल प्रबंधकश्री अरुण कुमार चतुर्वेदी की अध्यक्षता में दि.31.12.2023 को समाप्त तिमाही की बैठक दि.16.02.2024 को बजे वल्लुवनाडु बैठक कक्ष में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई।

**ई- पत्रिका का विमोचन:** मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के दौरान दि. 16.02.2024 को मंडल रेल प्रबंधक श्री अरुण कुमार चतुर्वेदी द्वारा त्रैमासिक हिंदी ई- पत्रिका "रेल कैरली" का विमोचन किया गया।

**कवि सम्मेलन:** मंगलूरु सेंट्रल के जयशंकर प्रसाद हिन्दी पुस्तकालय की उपयोगिता को बढ़ावा देने के लिए दि.30.01.2024 को उनकी जयंती के अवसर पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। उक्त कवि सम्मेलन में कर्मचारियों ने जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित विभिन्न कविताओं का वाचन किया।

## मंडल की अन्य गतिविधियाँ

**26 जनवरी 2024 को पालक्काड मंडल ने रेलवे मंडल कार्यालय, पालक्काड में धूमधाम और उल्लास के साथ गणतंत्र दिवस मनाया। समारोह के दौरान, रेल सुरक्षा बल द्वारा मंडल कार्यालय में एक परेड का आयोजन किया गया जिसमें मंडल रेल प्रबंधक / पालक्काड ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया।**

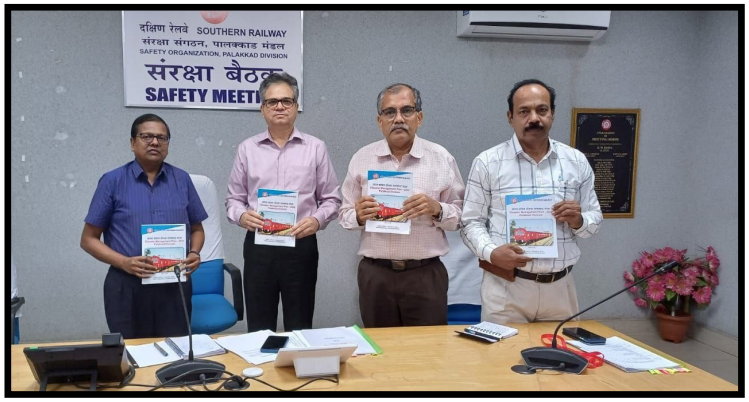


वर्ष 2024 की शुरुआत में, "आपदा प्रबंधन योजना-2024" 03/01/2024 को जारी की गई और इसे एस एम आई एस पर अपलोड किया गया। ये पुस्तकें सभी अधिकारियों, पर्यवेक्षकों, स्टेशनों, नियंत्रण कार्यालय, क्रू बुकिंग केंद्रों आदि को वितरित की गई।

माननीय प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पालक्काड मंडल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 9 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास और समपार फाटकों के बदले 19 रोड ओवर ब्रिज की आधारशिला रखी गई और 26/02/2024 को दो सुरमगस्थ भी राष्ट्र को समर्पित किए।

माननीय प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 12/03/2024 को मंगलूरु सेंट्रल के लिए तिरुवनंतपुरम-कासरगोड वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 20632/20631 की विस्तारित सेवा का उद्घाटन किया।

## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

मंडल में 13 मार्च 2024 को रेलवे रागमालिका, रेलवे कॉलोनी, पालक्काड़ में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया । अध्यक्षा, दक्षिण रेलवे महिला कल्याण संगठन/पालक्काड़ ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला कर्मचारियों के लिए स्लो बाइक रेस, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, फुड फेस्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, ब्राइड्स ऑफ इंडिया प्रतियोगिता, पासिंग बॉल आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।